Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

MAJY-506

सिद्धान्त ज्योतिष एंव काल विवेचन–02

एम0ए0 ज्येातिष (MAJY-20/21)

द्वितीय सेमेस्टर, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 20 = 40]

Q.1. नवविधकाल मान का वर्णन कीजिये।

P.T.O.

Q.2. अहोरात्र व्यवस्था का प्रतिपादन कीजिये।

Q.3. अधिमास एंव क्षयमास का विश्लेषण कीजिये।

Q.4. मन्दफल एंव शीघ्रफल का व्याख्या कीजिये।

Q.5. अहर्गण से क्या तात्पर्य है। सोदाहरण साधन कीजिये।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 10 = 40]

Q.1. सौर, सावन, चान्द्र एंव नाक्षत्र मान का उल्लेख कीजिये।

Q.2. स्वकल्पित मध्यम ग्रह साधन करें।

Q.3. उदयान्तर एंव देशान्तर का परिचय दीजिये।

Q.4. क्रान्ति से क्या तात्पर्य है?

Q.5. चरान्तर का विवेचन कीजिये।

Q.6. सोदाहरण ग्रहस्पष्टीकरण का वर्णन कीजिये।

Q.7. ब्राह्य एंव दिव्य मान को समझाते हुए लिखिये।

Q.8. बार्हस्पत्य एंव संवत्सरानयन का प्रतिपादन कीजिये।

****